

an>

Title: Need to set up a cement factory at Barmer or Jaisalmer in Rajasthan and also send a expert team to report on the feasibility of setting up mineral based industries in the region.

कर्नल सोनाराम चौधरी (बाड़मेर): मेरा संसदीय क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर सीमावर्ती एवं मरूस्थलीय क्षेत्र में भौगोलिक विप्रेमताओं के कारण यह क्षेत्र आर्थिक, राजनैतिक, सामाजिक एवं शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा क्षेत्र है। इसका क्षेत्रफल 60000 वर्ग किमी है। जिसकी जनसंख्या 35 लाख है। पश्चिमी राजस्थान की 1070 किमी सीमा जो पाकिस्तान से लगी है। जिसमें से मेरा संसदीय क्षेत्र भारत-पाक सीमा से लगभग बाड़मेर की 270 किमी एवं जैसलमेर की 464 किमी कुल 734 किमी से ज्यादा सटा क्षेत्र है। इस क्षेत्र में भारी मात्रा में आर्मी, एयरफोर्स एवं पैरामिलिट्री फोर्स है। यहां रोजगार के साधन नहीं होने से स्थानीय लोग उत्तर दक्षिणी औद्योगिक नगरों एवं महानगरों में रोजगार हेतु पलायन करते हैं। देश के शून्य उद्योग वाले जिलों में जैसलमेर का नाम आता है। प्रकृति की असीम कृपा से अब हालात बदल गये हैं। अब यहां धरा की कोख में लिग्नाइट, ग्रेनाइट, मैगनाइट, जिप्सम, मार्बल, स्टीलग्रेड लाईम, बैन्टोनाइट लाईम स्टोन एवं मैसेनरी स्टोन के अपार भंडार मिलते हैं एवं इंदिरा गांधी नहर एवं नर्मदा नहर आधारित परियोजनाओं से पानी भी उपलब्ध हो गया है। यहां उद्योग हेतु प्रचुर मात्रा में भूमि भी है। वर्तमान में बाड़मेर एवं जैसलमेर जिले में भादरेस में 1080 मेगावाट के लिग्नाइट पॉवर प्रोजेक्ट उपयोगी राख और जैसलमेर में सोनू में लाईम स्टोन का भरपूर भंडार होने के बावजूद दोनों जिलों में सीमेंट के कारखाने स्थापित नहीं हो पा रहा है। विडम्बना है कि सीमेंट के लिए राख एवं लाईम स्टोन दोनों ही यहां से सिरोही, जोधपुर, ब्यावर, चित्तौड़ एवं अन्यत्र भेजी जा रही है और ताज्जुब है कि प्रतिदिन 3500 टन बनने वाली राख तो बाड़मेर से मुफ्त में ही अन्यों को दी जा रही है। वर्तमान में 1080 मेगावाट लिग्नाइट पॉवर प्लांट इकाईयां भादरेस से संचालित हैं, 660 मेगावाट की इकाईयां प्रस्तावित हैं। 250 मेगावाट की गिरल लिग्नाइट इकाईयां बंद पड़ी हैं। यहां वर्तमान 25000 टन कोयला प्रतिदिन काम में लिया जा रहा है। 3500 टन राख प्रतिदिन प्लांट में बनती है। 20 हजार मैट्रिक टन लाईम स्टोन का प्रतिदिन जैसलमेर सोनू से निर्यात किया जा रहा है। पर्याप्त जल और भूमि भी उपलब्ध है। बाड़मेर-जैसलमेर रेलवे लाइन से भी जुड़ा है। साथ ही वर्तमान में तो जैसलमेर भाभर नई रेलवे लाइन का कार्य भी शीघ्र प्रारंभ होने जा रहा है। अर्थात् उद्योग हेतु आवश्यक सभी साधन उपलब्ध है। स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने, व्यावसायिक तौर पर किफायती होने, आर्थिक एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के कारण मेरा केन्द्र एवं राज्य सरकार से विशेष आग्रह है कि प्रचुर मात्रा में प्रकृति सम्पदा, संसाधन, मानव संसाधन, परिवहन साधन, भूमि आदि की उपलब्धता एवं संभावनाओं को देखते हुए बाड़मेर या जैसलमेर दोनों

में से किसी भी एक स्थान पर सीमेंट कारखाने खोले जायें एवं यहां उपलब्ध खनिजों पर आधारित अन्य उपयुक्त उद्योगों को विकसित करने के लिए विशेषज्ञ दल से अध्ययन करवाया जाये ताकि अन्य उद्योगों की संभावना बन सके।